

परिशिष्ट (XIII)

मुख्य परीक्षा अन्तर्गत प्रश्न पत्र-2 का पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी भाषा एवं साहित्य

(HINDI LANGUAGE & LITERATURE)

क) हिन्दी भाषा का इतिहास

1. अपभ्रंश, अवहट्ट, और पुरानी हिन्दी की भाषिक विशेषताएँ
2. मध्यकाल में अवधी और ब्रज का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास
3. उन्नीसवीं शती में खड़ी बोली का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास
4. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का मानकीकरण
5. स्वाधीनता संघर्ष के समय राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी का विकास
6. भारत संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास
7. हिन्दी का तकनीकी एवं प्रायोजनिक विस्तार
8. हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ और उनका पारस्परिक सम्बन्ध
9. मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना
10. झारखण्ड की भाषाओं और बोलियों का सामान्य परिचय

ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा
2. हिन्दी साहित्य के प्रमुख कालों— आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिक काल की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
3. हिन्दी गद्य का विकास और उन्नीसवीं शती का नवजागरण
4. आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ— छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, नवगीत, गजल।
5. हिन्दी उपन्यास की परम्परा और यथार्थवाद
6. हिन्दी कहानी का विकास और प्रमुख कहानीकार
7. हिन्दी नाटक की परम्परा और हिन्दी रंगमंच
8. हिन्दी में आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचक
9. हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ—संस्मरण, ललित निबन्ध, आत्मकथा, व्यंग्य, लघुकथा
10. झारखण्ड का हिन्दी साहित्य

ग) पद्य कृतियाँ

1. कबीर : कबीर ग्रंथावली (संपादक— श्यामसुन्दर दास) प्रारंभिक 100 पद
2. सूरदास : भ्रमरगीत सार (संपादक रामचन्द्र शुक्ल) प्रारंभिक 200 पद
3. तुलसीदास : रामचरितमानस— अयोध्या कांड, कवितावली—उत्तरकांड
4. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : रागविराग (संपादक—रामविलास शर्मा) राम की शक्तिपूजा और सरोज—स्मृति

5. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता, श्रद्धा और लज्जा सर्ग)
6. रामधारी सिंह दिनकर : कुरुक्षेत्र

घ) गद्य कृतियाँ

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : भारत दुर्दशा
2. जयशंकर प्रसाद : स्कन्दगुप्त
3. मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन
4. प्रेमचन्द : गोदान
5. फणीश्वरनाथ रेणु — : मैला आंचल
6. प्रेमचन्द : मानसरोवर, भाग — 1
7. रामचन्द्र शुक्ल : चिंतामणि, भाग — 1

(भाग और मनोविकार, श्रद्धा और भक्ति, लोभ और प्रीति,
कविता क्या है, काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था)